# 6. वचन

संज्ञा शब्दों की संख्या बताने वाले शब्द वचन कहलाते हैं। वचन द्वारा किसी शब्द की निश्चित या अनिश्चित संख्या का बोध होता है।

## शिक्षण-संकेत

- ❖ शिक्षक/शिक्षिका बच्चों को वचन की पुनरावृत्ति करवाएँ।
- ❖ कक्षा या आसपास की चीज़ों को दिखाकर उनकी संख्या बताने को कहें।
- ❖ तदुपरांत पाठ पृष्ठ 34 पर दिए गए चित्र की कविता पढ़ें और उसमें आए शब्दों की संख्या पर बच्चों से चर्चा करें।
- ❖ समझाएँ, संख्या बताने वाले शब्दों को व्याकरण की भाषा में वचन कहते हैं।
- ❖ बच्चों को वचन की परिभाषा याद करवाकर सुनें।
- ❖ वचन के भेदों एकवचन, बहुवचन के बारे में समझाएँ।
- ❖ पाठ पृष्ठ 35 पर दिए चित्रों के वाक्यों को पढ़ें और बच्चों को समझाएँ।
- ❖ बताएँ, संसार की प्रत्येक चीज़ या तो एक होती है या एक से अधिक।
- ❖ वचन बदलने के नियम समझाते हुए एकवचन-बहुवचन शब्द बच्चों से पढ़वाएँ। सभी को वाचन करने का समान अवसर दें।
- ❖ बीच-बीच में बच्चों की उपस्थिति जाँचने के लिए किसी शब्द का बहुवचन रूप पूछें।
- ❖ बताएँ, कुछ शब्दों का रूप कारक चिह्नों– ने, में, को, से, पर आदि लगाने पर बदलता है।
- ❖ समझाएँ, आदर या सम्मान सूचक शब्दों के साथ क्रिया का बहुवचन रूप में प्रयोग होता है।
- ❖ समझाएँ, कुछ शब्द एकवचन तथा बहुवचन में एक जैसे ही रहते हैं तब उनके वचन का पता वाक्य प्रयोग करके उसकी क्रिया से जाना जाता है। जैसे– हाथी चला। हाथी चले।
- ❖ 'आपने सीखा' द्वारा मुख्य बिंदु दोहरा लें। पाठ अभ्यास करवाएँ।